लोकतंत्र फैलोशिप कार्यक्रम (डीएफपी)

नाम– कैलाश मीना

संस्था –अवैध खनन विरोधी संघर्ष समिति

मासिक कार्य रिपोर्ट

फरवरी 2017

स्रोत्र– व्हाट्अप्प न्यूज

खनन माफियाओं की होली जला कर अवैध खनन कारोबार से परेशान ग्रामीणों ने अपने गुस्से का इजहार किया । पानी से भरी हुई गहरी खदानों मे खनन करने के लिये दिन रात पानी निकालने से खेती और पीने के लिये पानी का संकट , विस्फोटों के धमाकों हिलते घरो के गिरने और उछल कर दूर तक आते पत्थरों की दहशत , क्रेशरो की उड़ती धूल से सांस लेने से परेशान गांव वाले कानून का हवाला देकर विरोध करें तो जान से मारने फर्जी मुकदमों मे फंसा देने की धमकियां , प्रशासन के पास शिकायत करें तो कार्यवाही के नाम पर खाना पूर्ति और फजीहत । इन हालत का सामना कर रहे राजस्थान के सीकर जिले की नीमकाथाना तहसील के भराला गांव के ग्रामीणों खनन माफियाओं का होली दहन किया । जीने के लिये सांस लेने को साफ हवा , पीने को , खेती को पानी ,पशुधन के लिये जंगल , रहने के लिये घरो पर ही संकट खड़ा हो और इसके लिये न्याय की मांग पर धमकी तो अपनी भावनाओं का इजहार बयां होता है